मेरे विचार

1. **जन्म**-मैंने एक बहुत ही गरीब और पिछड़े हुए घर में जन्म लिया, मैंने उम्र भर दुःख देखे है, दुःख को साहा है और बहुत बार उन पर विजय भी पायी है| लेकिन विधाता ने मेरे जन्म से ही हर एक कदम पर मेरी कठोर परीक्षा ली है| आम लोगों को माँ- बाप से दुलार मिलता है, प्यार मिलता है, शिक्षा मिलती है, समझ मिलती है| वही मेरे जन्म के 13 महीनें बाद ही माँ का साया छीन गया और जब मैं 6 साल का हुआ तो पिता भी भगवान को प्यारे हो गये| मेरे अपने कोई नहीं है| माँ पिता और परिवार के प्यार से मैं हमेशा वंछित रहा हूं|

2. मैं समझता हूं की इस दुनिया में मैं अकेले ही आया हूं और अकेले ही जाऊंगा| मैं मानता हूं की इस दुनिया में हर इंसान माँ के पेट से नंगा ही आता है और नंगा ही जाता है, (कोई भी यहाँ से कुछ भी लेकर नहीं जाता है) मतलब जन्म से हर कोई खाली हाथ ही आता है और एक दिन खाली हाथ ही चले जाता है| अगर हर इंसान इस बात को समझ ले तो कभी भी, कही भी धर्म, जाति, ऊँच-नीच, अमीर-गरीब के नाम पर झगड़े नहीं होंगे और ना ही धन-दौलत, जमीन, जायदाद, सत्ता, शक्ति और प्रतिष्ठा की लड़ाई होगी|

Kalikho Pul

3. मैं जानता हूं की जब इंसान जन्म लेता है, तो वह नाम, जाति, धर्म, समाज, भाषा, क्षेत्र, धन-दौलत, जमीन-जायदाद कुछ भी अपने साथ नहीं लेकर आता है| लेकिन आज इंसान इन बातों को भूलता चला जा रहा है| वह इन चीजों के लिए मरने-मारने तक को तैयार हो जाते है| जबकि इस अटल सच को भूल जाता है कि मैं सिर्फ एक आत्मा हूं| मैंने ज़िन्दगी को हमेशा से सच दिखाने वाले आईने की तरह देखा है|

4. मैं यह जानता हूं कि इस दुनिया में मेरा कुछ भी नहीं है| अपने शरीर के अलावा, हम जो भी पहनते है, घर में जो भी सामान है, रूपया-पैसा, धन-दौलत, गाड़ी-धोड़ा, जमीन-जायदाद, शक्ति-सत्ता और प्रतिष्ठा, जिनके ऊपर मैं-मैं-मैं और मेरा-मेरा-मेरा कह कर उसके लिए हम लड़ते है और हम मालिक बनते है, वह असल में मेरा है ही नहीं|

जो आज मेरा है, वह कल किसी और का था
परसों किसी और का हो जायेगा
परिवर्तन ही संसार का नियम है|
लेकिन परिवर्तन को नियम के तहत और
सही ढंग से होना चाहिए|

Kalikho Pul

5. **बचपन-** मैंने बचपन से ही ज़िन्दगी से लड़ना सीख लिया था। फिर चाहे वह लड़ाई रोटी की हो या अपने हक़ की। बचपन में एक वक़्त की रोटी के लिए मैं मीलों दूर रास्ता तय कर जंगल से लकड़िया लाता था। गरीबी और लाचारी की मार झेलते हुए मैंने दिन में 1.50 पैसे पर भी मजदूरी(carpenter) का काम किया है, जिससे मैं 45 रुपये महीने कमाता था। आज भी carpentar का वह सामान मेरे पास रखा है।

6. **शिक्षा-** मैं बचपन में नियमित दिन का स्कूल नहीं जा पाया। लेकिन अपने carpentary कामों के साथ-साथ मैंने (Adult Education Centre, Walla) से पढ़ाई की। मेरी मेहनत और लगन को देखकर स्कूल प्रशासन ने मेरी परीक्षा ली और मुझे सीधा 6 कक्षा में दाखिला दे दिया गया। फिर मैंने जब दिन के स्कूल में दाखिला लिया, तब 6 से 8 कक्षा तक casual नौकरी भी की, दिन में पढ़ता और रात में चौकीदारी करता था, जिसमे सुबह 5 बजे राष्ट्रीय झंडे को फेहराता था और शाम को 5 बजे झंडे को उतारता था। जिससे मुझे 212 रुपये महीनें की आमदनी होती थी।

Kalikho Pul

7. **ठेकेदारी**-अपने जीवन में मैंने सबसे पहले 400 रुपये में एक OBT घर बनाने का ठेका लिया था| जिसके बाद अपने जिले और राज्य में बहुत सी सड़कें, सरकारी मकानों और पुलों का निर्माण किया| 11-12 कक्षा तक पहुँचते-पहुँचते मेरे पास खुद की जिप्सी गाड़ी और चार ट्रक गाड़ी थी| जिसे मैं व्यापार के काम में लगाता था|

7.1. कॉलेज पहुँचने तक मेरा व्यापार काफी आगे बढ़ गया, मेरे पास गाड़ी-धोड़ा, नौकर-चाकर और खुद का एक छोटा सा RCC का मकानभी था, जिसमें 3 कमरे थे| आज 23 साल तक मंत्री पद पर रहते हुए भी मैंने उससे आगे 1 भी कमरा नहीं बढ़ाया है|Khupa में एक छोटा सा घर है, जिसे मैंने 1990s में Tinsukia SBI Bank से personal loan लेकर बनाया था| Hayuliang में एक घर है, जिसे मैंने Tezu SBI Bank से loan लेकर बनाया था|

Kalikho Pul

7.2. विधायक बनने से पहले मेरे पास saw-cum-veneer mill भी थी, जिसके तहत मुझे हर साल 46 लाख रुपये की आमदनी होती थी| मैं अपने छात्र जीवन से ही करोड़पति बन गया था| जिस पर मैंने कभी घमंड नहीं किया| भगवान गवाह है कि मैंने कभी धन-दौलत, घर-बंगला, गाड़ी-घोडा, नौकर-चाकर, सत्ता और प्रतिष्ठा को अपनी जागीर नहीं समझा और ना ही इन चीजों पर कभी गर्व व घमंड किया है| मैंने हमेशा से ही इंसानियत की सुरक्षा और गरीबों की सेवा को ही अपना कर्म समझा है और अब तक उन्हीं के हित के लिए काम कर रहा हूं|

7.3. मैं बड़े फ़क्र से कह सकता हूं की मैं खुद अपने पैरों पर खड़ा हुआ हूं| लेकिन मैंने कभी इस बात पर गुमान नहीं किया| मैंने अपने रुपयों से हमेशा ग़रीब, लाचार, अनाथ और जरूरतमंद लोगों की सहायता की है| आज भी मैं 96 ग़रीब लड़के-लड़कियों को पढ़ाने के साथ उनका सालाना खर्च भी उठाता हूं|

7.4. जब मैं 26 दिसम्बर 1994 को राजनीति से जुड़ा, उसके अगले ही दिन मैंने अपने 2 Business Trading License को DC कार्यालय में वापस कर समर्पण कर दिया| क्योंकि जब मैं राजनीति में आ गया हूं, तो इसे व्यापार के साथ मिलाना नहीं चाहता था| मैं कभी भी राजनीति में नहीं आना चाहता था, लेकिन मुझे जनता ने जबरदस्ती राजनीति में उतारा है| लोग राजनीति में अपने स्वार्थ के लिए आते है, लेकिन अगर कोई इसे ईमानदारी से अपनाएं तो इससे अच्छा, सेवा और भलाई का काम कोई हो ही नहीं सकता| क्योंकि एक नेता के बात कर देने से, एक फोन कर देने से या एक सिफारिश कर देने से, किसी सभा में प्रस्ताव रख देने से समाज और जनता का काम हो जाता, तो इससे भला, बड़ा, ख़ुशी और अच्छा काम क्या हो सकता है|

Kalikho Pul

7.5. वर्ष 2007 में भी मुझे मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला था, उस वक्त मैंने मना किया था|

7.6. वर्ष 2011 में भी मुझे फिर से मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी दी गयी, जिसे भी मैंने फिर से ठुकरा दिया था| क्योंकि मैं जानता था की मेरे साथी विधायक और मंत्री मुझे सिस्टम से, निति से, कानून से और संविधान के तहत चलने नहीं देंगे|

7.7. जब तीसरी बार मुझे मुख्यमंत्री बनने का मौका मिला तो मैंने उसे स्वीकार और मेरी इच्छा, सपना और कोशिश थी की मेरा पिछड़ा राज्य और गरीब जनता हर क्षेत्र में आगे बढ़े-सड़क यातायात ठीक हो, लोगों को शुद्ध-स्वच्छ और नियमित पानी मिले, अच्छी व उच्च शिक्षा मिले, बेहतर और मुफ्त स्वास्थ्य सेवा मिले और बिना रुके 24 घंटे हर घर, हर परिवार को बिजली व्यवस्था मिले, हर जाति और समाज को शांत और सुरक्षित माहौल मिले, लोगों का रहन सहन व आमधनी बढ़े, सभी लोग उन्नत और विकासशील हो, राज्य के हर घर में खुशहाली हो| आम जन हर प्रकार से आगे बढ़े| इन बातों को ध्यान में रखते हुए और उन कामों को मुकाम देने के लिए, मैंने अपने तन-मन, दिमागी-चिंतन, सोच-विचार, कठिन मेहनत और लगन से राज्य को ऊंचाई देने व जनता की भलाई, उन्नति और बेहतर कल के लिए हर घड़ी, हर पल काम किया है| लेकिन शायद मेरे साथी मंत्रियों और विधायकों को यह बात मंज़ूर नहीं थी| क्योंकि उनके लिए मंत्री व विधायक बनने का मतलब कुछ और ही होता होगा| यही कारण है कि मैं राजनीति से दूर रहना चाहता था|

Kalikho Pul

7.8. मैंने अपने 23 सालों की राजनीति में अलग-अलग मंत्री पदों पर रहते हुए राज्य के विकास में हर संभव योगदान दिया है, जो अपने विधानसभा क्षेत्र और पुरे राज्य में भी किया है| लेकिन इन कामों पर हर किसी की नज़र नहीं गयी| मेरे 23 साल के राजनीति जीवन में मैंने बहुत से मुख्यमंत्रीयों के साथ काम किया, लेकिन अपने अनुभव से मैंने देखा व समझा की किसी भी मुख्यमंत्री व मंत्री की योजना स्पष्ट नहीं थी, वह किसी भी योजनाओं को प्राथमिकता सही से नहीं दे पाये| उन्होंने हमेशा राजनीति की नजरों से ही फैसला लिया, हमेशा जनता के हितों को नज़रअंदाज किया और विधायक व मंत्री हमेशा आपस में हिसाब-किताब कर एक दूसरे को लाभ देने व खुश करने में ही लगे रहे|

7.9. जबकि मेरी परिभाषा यह है कि नेता बनने का मतलब केवल अपने घर-परिवार, संगे-संबंधी और दोस्तों को फ़ायदा पहुँचाना नहीं है| मंत्री, विधायक, बड़े अधिकारी एक दूसरे की मदद के लिए नहीं आये है, बल्कि राज्य के पूर्ण विकास व गरीब जनता की सेवा के लिए ही उन्हें चुना जाता है| मेरे 23 साल के अपने राजनीति अनुभव में, मैंने नेताओं को इसके बिलकुल उलटा ही काम करते देखा है| वह लोग सिर्फ एक दूसरे को बड़े नेता, बड़े अधिकारी और बड़े व्यापारियो को ही मदद व फ़ायदा पहुँचाने का काम करते रहे है|

Kalikho Pul

7.10. मेरे 4½ महीने के अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल में मैंने अपना सुख-चैन, घर-परिवार, नींद-आराम को त्यागकर 24 घंटे जनता के हित में काम किया| मैंने सही अर्थो में राजधर्म का पालन किया है| इतना ही नहीं मैंने राज्य में विभिन्न विभागों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पुलिस और कानून में 11,000 से ज्यादा पदों की जगह निकाली थी| जिन्हें बिलकुल पारदर्शक और निष्पक्ष तरीके से लागू किया जाना था| मैंने Plan, non-plan funds को सही और योजनाबद्ध तरीके से पेश किया था| मैंने राज्य में Transfer- posting, Promotion and Appointment के लिए मंत्रियों को पैसे लेने से मना किया था, जिसका शायद उन्हें बुरा लगा| plan funds, non-plan funds, contract works, Tender works and bills payments में comission लेने के लिए भी मनाही की थी| शायद यह बात भी उन्हें बुरी लगी|

Kalikho Pul

8. मैं केवल इतना जनता हूं की 14-15 लाख की जनसंख्या वाले राज्य में 60 MLA को चुना जाता है| उनमें से 12 मंत्री बनते है| मैं सोचता हूं की वह 60 MLA उच्च शिक्षा, सामाजिकता, बेहतर नेत्रत्व, और उदार सोच के साथ-साथ सभी तरह से अच्छे इंसान हो, जनता की सेवा और सुरक्षा को अपना धर्म मानते हो, इंसानियत को अपना ईमान और जनता की भलाई को अपना कर्म समझते हो| हमारे नेताओं को परिवार, समुदाय, जाति, धर्म और समाज से ऊपर उठकर काम करना चाहिए| लेकिन ऐसे नेताओं की आज जैसे कमी ही आ गयी है| आज राज्य में हर एक नेता अपनी जेब भर रहा है, अपने स्वार्थ पुरे कर रहा है| जनहित से ज्यादा वह अपने, अपने-परिवार और रिश्तेदारों के बारे में ज्यादा सोच रहे है| मैंने यह महसूस ही नहीं किया बल्कि देखा भी है| इस बात से मैं बहुत ही आहत और दुखी भी हूं| इस राज्य के पिछड़ने का कारण भी यही है| राज्य में मंत्री-विधायक आपसी सहयोग से केवल खुद ही आगे बढ़ते है और गरीब जनता को नज़रअंदाज करते है| वही मुख्यमंत्री बड़े नेताओं, बड़े अधिकारियों, बड़े व्यापारी को खुश करने में लगा रहता है| ऐसी स्थति में राज्य, समाज और जनता का क्या होगा?

Kalikho Pul

8.1. राज्य में सड़क, पानी, बिजली, कानून, शिक्षा, स्वास्थ्य और सफाई व्यवस्थाओं को सुचारू करने पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता| जिससे आम जनता, नेताओं को शक की नज़रों से देखते है| यहाँ हर एक विधायक को मंत्री बनना है, वह भी works Department में जहां उन्हें ज्यादा और मोटी कमाई हो| सभी को ज्यादा से ज्यादा नगद पैसा चाहिए| नेताओं और विधायकों ने इसे अपना धंधा ही बना लिया है| यही सब कारण है कि राज्य में सरकार बार-बार बदलती है| जिसका नुकसान आम जनता और राज्य को उठाना पड़ता है| सरकार बदलने से बहुत सी योजनायें और प्रोग्राम बदलते है, जिससे विकास की राह और गति रुक जाती है, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए| इस बात से मैं बहुत ही आहत और दुखी हूं| मैं लोगों में जागरूकता, विचार-विमर्श और एहसास दिलाना चाहता हूं की हर कोई इन बातों को समझे और इन पर विचार कर, अपनी सोच-समझ, कर्म-कार्य, हाव-भाव और नीतिओं को बदले| ताकि हम अपने राज्य और देश के सुन्हेरे भविष्य की कामना को साकार कर सके|

8.2. आज जनता को मंत्रियों और विधायकों से पूछना चाहिए की 5 सालों में उनके पास धन-संपति, जमीन-जायदाद,बंगला-गाड़ी इतने कम समय में कहां से आये? जनता को भ्रष्टाचार पहचानना चाहिए और सवाल करना चाहिए कि विधायक या मंत्री बनने से पैसा बनाने का certificate मिल जाता है क्या? या पैसा छापने की फैक्ट्री और मशीन मिल जाती है क्या? मैं मानता हूं की जनता जनार्दन है और उन्हें सच को पहचानना चाहिए|

Kalikho Pul

9. **खांडू**- दोरजी खांडू सेना के एक आम सिपाही थे, विधायक बनने के बाद भी उनके पास कुछ भी नहीं था| लेकिन जब वह रिलीफ मंत्री बने, तब उन्होंने सरकारी पैसों को भारी 50%में बेचकर अपनी जेब भरना शुरू कर दिया|

9.1. जब वह पॉवर मंत्री बने, तब उन्होंने पुरे अरुणाचल में हाइड्रो प्रोजेक्ट (Hydro Project) योजना में नदी नालों को बेचकर पैसे गबन किये| उन्होंने30 लाख per MW के हिसाब से कंपनी को प्रोजेक्ट बेचकर मोटी कमाई की थी|

9.2. उसके बाद उन्होंने गेंगो आपंग की सरकार को गिरा दिया और खुद मुख्यमंत्री बन गए|

9.3. आज उनके तवांग, ईटानगर, गुवाहाटी, दिल्ली, कोलकता और बैंगलोर में बड़े-बड़े आलीशान मकान और बंगले है| बहुत से फार्म हाउस, होटले और commercial states है| आज लोग कहते है कि, दोरजी खांडू ने घोटाले कर 1700 करोड़ रुपये से ज्यादा धन कमाया, संपति बनाई| लेकिन आज वो तो इस दुनिया में नहीं है| तो यह धन-दौलत क्या काम आया? इससे ज़िन्दगी तो नहीं खरीद सकते? और ना ही इस धन-दौलत को दूसरी दुनिया में ले जा सकते है| कहने का मतलब है, हर किसी को अपनी मेहनत-मजदूरी कर अपनी किस्मत में जो है और अपनी जरुरत तक ही कमाई होना काफी है|

9.4. Social Media (facebook& whatsapp) पर लोग कह रहे और पूछ भी रहे है कि, पेमा खांडू के पास आज के दिन में 1700 करोड़ नगद पैसा है और यह पैसा कहां से आया?

9.5. जनता यह खुद सोचे और विचार करे की मंत्री बनने से पहले उनके पास क्या था? और आज क्या है? उनके पास कोई पैसा बनाने की कोई मशीन या फैक्ट्री तो नहीं थी और ना ही कुबेर का कोई ख़जाना था| फिर इतना पैसा कहां से आया?

Kalikho Pul

9.6. यह जनता का पैसा है, और मंत्री बने यह लोग इसी पैसों का रोब दिखाकर जनता को डराते-धमकाते है, और लोग उसके पीछे भागते है| आज जनता को इसका जवाब मांगना चाहिए और इस मामले की पूरी छानबीन होनी चाहिए|

9.7. सुप्रीम कोर्ट में चल रहे केस का पूरा खर्चा नबाम तुकी और पेमा खांडू ने मिलकर उठाया था| जिसका फैसला मेरे खिलाफ दिया गया था| यह रकम करीब 90 करोड़ रुपये की थी|

9.8. इस केस में मेरे हित में फैसला देने के लिए मुझे भी फ़ोन किया गया और मुझसे भी 86 करोड़ रुपये की मांग की थी| लेकिन मुझे और मेरे जमीर को यह मंज़ूर नहीं था| मैंने भ्रष्टाचार नहीं किया, मैंने कमाया नहीं और ना ही राज्य को कुएं में गिराने की इच्छा थी, मैंने अपनी सत्ता को बचाने के लिए सरकार और जनता के पैसों का क्यों दुरूपयोग करू? इसका नतीजा आप सबके सामने है|

9.9. तवांग में आज से ही नहीं बल्कि सालों से विकास के नाम पर बहुत सा पैसा जा रहा है, लेकिन वहा पैसों का दुरूपयोग हुआ है और नेताओं ने अपनी जेबे भरी है|

Kalikho Pul

A. 2005से रिलिफ फण्ड के नाम से बहुत पैसा जा रहा है| जिसका जनता RTI से जानकारी ले सकती है, वही Project का दौरा करने पर कुछ भी नहीं मिलेगा|

B. टूरिज्म के नाम पर बहुत पैसा जा रहा है|

C. Urban Development के नाम पर बहुत पैसा जा रहा है|

D. Power के क्षेत्र में बहुत पैसा जा रहा है| kitpi hydro project के नाम से वर्ष 2010-11 में बिना sanction और बिना काम के 27 करोड़ रुपयेLOC किया गया, बिना बिल के पैसों को उठाया गया| उन पैसों का गबन किया गया|

E. इसी प्रकार khantang और mukto hydro project के नाम से भी 70 करोड़ से भी ज्यादा पैसों का झूठा बिल बनाकर गबन किया गया|

F. PDS Scam की असली जड़ नबाम तुकी और दोरजी खांडू है, जिन्होंने इस घोटाले की शुरुवात की थी|

- गेंगो अपांग जब मुख्यमंत्री थे, तब राज्य में PDS का साल भर का काम 61 लाख रुपये में ही हो जाता था| गेंगो अपांग इसे सुधारना चाहते थे, पर सभी ने मिलकर उन्हें फंसाया था|
- जब नई सरकार बनी तब नबाम तुकी food & civil supply minister थे, तुकी ने ही राज्य में Head Load के काम की शुरुवात की थी|

- एक साल में ही PDS का काम 68 करोड़ रुपये तक बढ़ गया था, वही अगले ही साल यह काम 164 करोड़ रुपये तक बढ़ गया था| इस पर केंद्र सरकार को राज्य सरकार पर शक हो गया था और उन्होंने FCI को Enquiry & Audit करने का आदेश दिया, जिसमे Enquiry के दौरान राज्य सरकार को दोषी पाया गया| इस पर केंद्र सरकार ने payment रोक दिया था|

Kalikho Pul

- PDS में घोटाला मिलने पर गेंगो अपांग ने Head Load के काम को बंद करवा दिया, जिससे यह payment यही रुक गया था|
- PDS योजना GOI की Scheme थी, जिसका पैसा FCI के Through से GOI से ही आता है और राज्य सरकार के पैसों से इसका payment नहीं होता था|
- जब 2007 में दोरजी खांडू मुख्यमंत्री बने, तब उन्होंने अपनी ही सरकार के खिलाफ PDS Contractors को केस करने का सुझाव दिया और उनकी मदद भी की|
- जबकि इस केस में राज्य सरकार Fast Track Court, Session Court, High Court & Supreme Court में भी कई बार जान-बुझ कर हारती गयी| दोरजी खांडू के नेत्रत्व में राज्य सरकार ने कोर्ट में जान-बुझकर सही record और जानकारी नहीं दी थी| और बहुत सी Files & Records को मिटा दिया गया| जहां 50% share लेकर दोरजी खांडूने ही private parties को, राज्य सरकार के खिलाफ Court Decree लेने में मदद की थी, और पहला PDS payment इन्हीं के समय में हुआ था|
- जब (30 नवंम्बर 2011) तक मैं Finance Minister था, तब Court Decree होने पर भी, मैंने और Setong Sena ने payment नहीं दिया था|
- केवल PDS payment देने के लिए ही, मुझे नबाम तुकी ने Finance Ministry से हटाया था|

- मेरे Finance Ministry से हटते ही Chouna Mein Finance Minister बने और 4 दिनों के अंदर ही 4/12/2011 को Nabam Tuki और Chouna Mein ने PDS Contaractors से पैसों में 50% की हिस्सेदारी लेकर Head Load PDS का payment दिया था|

Kalikho Pul

- अपने 23 साल के राजनीति जीवन में मैंने PDS Bill की Photocopy पर payment होते पहली बार होते देखा था| जबकि ऐसा किसी और राज्य में नहीं होता है|

- 600 करोड़ रुपये से भी ज्यादा पैसों में PDS का payment हुआ, इन पैसों को राज्य के Development Fund से दिया गया था| जबकि यह GOI की Scheme थी और GOI ने इसमें घोटाला देखकर एक भी पैसा राज्य सरकार को नहीं दिया|

- इस PDS घोटालें के मुख्य दोषी Dorjee Khandu, Pema Khandu, Nabam Tuki & Chouna Mein ही है|

- जब मैं मुख्यमंत्री बना तब मैंने इस case की जांच की और राज्य सरकार को बचाने की कोशिश की थी| हमारी सरकार ने FCI के खिलाफ case किया, GOI के खिलाफ case किया और सुप्रीम कोर्ट में Review Petition भी दायर की थी| मुझे इस बात का बहुत ही दुःख है कि, राज्य के पूर्व मंत्रियों, पूर्व मुख्यमंत्री और अधिकारियों ने मिलकर सभी File, Documents और जरुरी कागजों को गायब कर दिया व मिटा दिया| जिसकी वजह से मैं राज्य सरकार को इस case में बचा नहीं सका| इस case में Chief Secretary, Secretary, Directors & Officers को जेल तक होने वाली है|

- आज भी इस PDS case में Genuine Contractors को Land Route का पैसा नहीं मिला, जबकि उन्होंने सही Tender भरा और सही काम भी किया, Fair price shop तक चावल भी पहुँचाया था|

- वही दूसरी ओर PDS scam में पेमा खांडू का नाम शामिल है, जिसका आज भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में case चल रहा है|

Kalikho Pul

G. SGSY चावल के घोटाले में भी दोरजी खांडू और पेमा खांडू खुद घोटाले में फंसे हुए है| आज इसका केस सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है| अगर दोरजी खांडू जिंदा होते तो अभी जेल में होते| और पेमा खांडू आज मुख्यमंत्री है फिर भी इस केस में बहुत जल्द जेल में जायेंगे| SGSY योजना ही गलत थी, क्योंकि इस योजना में एक भी दाना चावल गांवों में नहीं पहुंचा और ना ही लोगों को चावल मिला, यह सारा चावल असम में बेचा गया, वह एक घोटाला है| जो चावल गया ही नहीं, उसके लिए झूठा Transportation बिल बनाया यह दूसरा घोटाला है| इन बाप-बेटों ने घोटालों में घोटाले किये है|

H. इस घोटाले पर कोई भी साधारण लड़का या जनता पेमा खांडू से आज पूछे की- इस योजना में केंद्र से कितना चावल आया? किसके लिए आया? कब आया? और किसको चावल मिला? और इस चावल घोटाले में कितने पैसों की कमाई हुई? मैं दावे के साथ कह सकता हूं की इन सवालों के जबाब पेमा खांडू के पास नहीं है| उनका सिर्फ एक ही जवाब है, उनके पास आज ढेर सारे नगद पैसा है, जिनके पीछे जनता भागती है, लेकिन यह बात जनता को जानना और समझना चाहिए की यह इन सब घोटालों का पैसा है|

यह कांग्रेस पार्टी की निति है कि, कमजोर, भ्रष्ट, बदमाश और लुटेरों को ही प्राथमिकता देते है और उन्हें नेता बनाते है| ताकि वह सरकार और जनता के पैसों को मिलकर लूटकर, कांग्रेस आला कमान को पहुंचाते रहे, जिससे उनकी कमाई होती रहे|

Kalikho Pul

9.10. वही नेताओं और विधायकों को इन बातों का पता होते हुए भी, आज तक कुछ नहीं किया गया| क्योंकि विधायकों और मंत्रियो को ऐसे ही भ्रष्ट मुख्यमंत्री चाहिए जैसे PK Thongun, Gegong Apang, Dorjee Khandu, Nabam Tuki and Pema Khandu. जिसके खिलाफ CBI चल रहे है, हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट में केस चल रहे है| क्योंकि यह लोग ही अधिकारी, न्यायालय और जजों को पैसा दे सकते है|

9.11. अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के समय में मैंने हर जिले को SIDF, RE और NP (non-plan) में बराबर फण्ड दिया था| जिसके बाद भी पेमा खांडू और उसके दोनों भाईयो ने एक प्रोजेक्ट में मुझसे तत्काल (Emergency) 6 करोड़ रुपये hydro project Maintainace के लिए मांगेथे, जिसे मैंने पूरा दिया| इन पैसों को अभी काम में ही नहीं लिया गया था, की उन्होंने flood relief में मुझसे पैसे मांगे थे| उन्होंने 10 करोड़ की और मांग की थी| उस समय राज्य में flood relief के लिए कुल 14 करोड़ रुपये ही थे, फिर भी मैंने सबसे ज्यादा 6 करोड़ रुपये तवांग में दिए थे|

9.12. अरुणाचल जैसे छोटे राज्य में हमारे पास NDRF में केवल 51 करोड़ रुपये ही थे, जिसमें से हम 20 जिलों और 60 विधायकों को जरुरत होने पर देना था, और उस समय में बहुत से जिले बाढ़ से पीड़ित थे| मुख्यमंत्री होने के नाते मुझे हर जिले और हर 60 विधायकों को बराबर देखना था| इस पर फिर से पेमा खांडू और उसके दोनों भाईयों ने मुझसे 100.88 करोड़ रुपये की मांग की थी| मैंने उन्हें राज्य की स्थति के बारे में बताया और समझाया| लेकिन इस बात से वह मुझसे नाराज़ हो गये और उन्होंने मेरे खिलाफ चाल चल दी थी|

Kalikho Pul

9.13. एक और बात मैं बताना चाहूँगा की 2 मई को तवांग में हुई गोलीबारी की घटना के पीछे भी पेमा खांडू का ही हाथ है| गिरफ्तार हुए लामा आदमी को पेमा खांडू ने बेल नहीं देने दी थी| इस घटना के जिम्मेदार भी पेमा खांडू ही है| DC और SP तवांग की हुई फ़ोन वार्ता में पेमा खांडू का जिक्र है| तवांग में हुई गोलीबारी की घटना में पेमा खांडू ने DC, ADC और magistrate को बेल ना देने का दबाव दिया था| मुझे और Chief Secretary को इस घटना पर अधिकारीयों पर कार्यवाही ना करने का भी दबाव डाला था| उसके बावजूद भी हमने अधिकारियों पर कार्यवाही की, शायद इस बात का उन्हें बुरा लगा हो| इस घटना में कितने लोगों की जाने गयी, कितने लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिनका आज भी shillong और gauwahati में इलाज चल रहा है|जबकि मैं खुद मर्तकों के परिजनों से मिला, गंभीर रूप से घायलों को भी Tawang, Shillong और Gauwahati में मिलकर, हर संभव मदद की थी, जबकि पेमा खांडू पर इस घटना पर कोई दुःख और चिंता नहीं थी| लोगों को सोचकर फैसला करना चाहिए की, कौन सही और कौन गलत है?

Kalikho Pul

10. **नाबम तुकी-** विधायक से मंत्री और मुख्यमंत्री का फासला तुकी ने बहुत ही कम समय में तय कर लिया था| विधायक बनने से पहले उनके पास कुछ भी नहीं था और आज आधे ईटानगर-नहारलागुन में जमीने और संपति खरीद ली, वही कोलकाता, दिल्ली और बैंगलोर में आलीशान बंगलें, फार्म हाउस व जमीनें है| जिसके बारे में social media (facebook/ whatsapp) में संपति के बारे में फ़ोटो और विडियो के साथ दिया गया था| इनका काला चिट्ठा कुछ इस तरह है|

10.1. गुवाहाटी हाईकोर्ट ने तुकी के खिलाफ की गयी सुनवाई में तुकी को दोषी ठहराते हुए, CBI की जांच के आदेश दिए थे| लेकिन उसी केस में सुप्रीम कोर्ट के **Justice H.L. Dattu** को 28 करोड़ रुपये की घूस देकर stay लिया और आज भी खुले आम घूम रहे है|

10.2. अरुणाचल राज्य में हुए PDS scam पर सुप्रीम कोर्ट ने **Justice Kabir Altamaas** के नेत्रत्व में फैसला कांट्रेक्टरों के हित में दिया था| जबकि केंद्र सरकार और FCI ने भी इस फैसले को गलत ठहराया था|

10.3. Food & civil supply के Director (**N.N.OSIK**) के बैंक खाते से तुकी के खाते में 30 लाख रुपये ट्रांसफर किये गये| इस बात को गुवाहाटी हाईकोर्ट ने भी माना है| जिसका record हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट पास भी है| इस केस में भी घूस देकर कोर्ट का फैसला ख़रीदा गया था|

Kalikho Pul

10.4. Food & civil supply के मंत्री रहते समय नबाम तुकी ने ही PDS घोटाले की शुरुवात की थी| सड़क रास्ता होने पर भी head load का झूठा अविष्कार किया, 20km को 46km का रास्ता बताया और 40km को 90km का रास्ता बताकर पैसों का गबन किया था| जहां जनसंख्या ही नहीं थी, वहा चावल का Quota बढ़ाया, चावल पर लोन दिखाकर Quota बढ़ाया गया और भारी मात्रा में पैसों को गबन किया| जहा चावल, चीनी और गेहू गया ही नहीं, वहा झूठा बिल बनाकर घोटाला किया गया| Kurung Kumay, Subansiri के चावल के Quota को FCI Base Depot से निकालकर लखीमपुर (असम) में बेचा गया था| Tawang, East Kameng & West Kameng के चावल के Quota को तेजपुर असम में बेचा गया था| East-West-Upper Siang के चावल के Quota को धेमाजी (असम) में बेचा गया| एक ही बिल से बार-बार झूठा बिल बनाकर 6-7 बार पैसे निकाले गये| राज्य में जिस समय 61 लाख रुपये में साल भर का PDS चावल supply होती थी, वही तुकी के मंत्री रहते हुए, यह रकम 168 करोड़ रुपये सालाना तक पहुँच गयी थी|

10.5. पुराने कामों और फ़ोटो दिखाकर तुकी ने 70% तक Relief fund का घोटाला किया था| उन पैसों का तुकी ने दुरूपयोग किया व जनता और केंद्र सरकार को गुमराह किया| जिसकी PIL आज गुवाहाटी हाईकोर्ट में चल रही है| राज्य में ऐसे घोटाले कर वह अपनी संपति बढ़ाते है, जिससे न्यायालय में न्याय को खरीदते है, कांग्रेस आला कमान को खरीदते है और मीडिया को भी खरीदते है| जिसे जनता चुप-चाप देखती है|

Kalikho Pul

10.6. राज्य में NP(non plan fund) को आंवटित कर 60% पैसे वापस लेकर दुरूपयोग किया गया, जिसकी वजह से राज्य में केंद्र की बहुत सी योजनायें आज भी बंद पड़ी है| जिसके कारण राज्य में वर्ष 2013, 2014 और 2015 तक लगातार overdraft की समस्या होती रही| जिनके चलते सरकारी अधिकारियों की तनख्वाह, Salary/Wages, TA/DA, MR Bills, GPF/NPS, Student stipend & Contractor's payment समय पर नहीं मिल पाती थी| इस पर भी सरकारी अधिकारी, छात्र, contractor और जनता इन्हें सहती गयी, कभी इसके खिलाफ आवाज नहीं उठाई और ना ही इसका विरोध करने की हिम्मत दिखाई| जिससे भ्रष्ट लोगों के हौसले बुलंद होते गये और वह राज्य में ज्यादा भ्रष्टाचार करते गये|

10.7. TFC के सारे पैसों का दुरूपयोग हुआ है|

10.8. SPA के पैसों का दुरूपयोग हुआ है, जिसका काम आज भी बंद पड़ा है|

10.9. SCA fund का भी दुरूपयोग हुआ है|

10.10. राज्य के पास फण्ड नहीं है, फिर भी भोली जनता को गुमराह करने के लिए कहा गया की Civil Deposit में फण्ड है| जब मैं मुख्यमंत्री बना तो सबसे पहले छानबीन कर पता लगाया, लेकिन वहा कोई पैसा नहीं था|

Kalikho Pul

10.11. दोरजी खांडू जहां Relief fund और Non-plan fund में 60% दलाली / घूस लेते थे, वही तुकी ने इसमें 10% इजाफ़ा किया और 70% दलाली लेकर राज्य के fund को लुटा है|

10.12. यही सब कारण है कि, पिछले 3 सालों से राज्य में overdraft की समस्या चल रही थी और राज्य बजट भी घाटे में चल रहा था|

10.13. Nabam Tuki ने अपनी पत्नी Nabam Nyami के नाम पर राज्य के सभी शहरों (ziro, Pasighat, Tezu, Itanagar, Hawai) और सभी जिलों में सरकारी ठेकेदारी के काम किये|वही उनके भाई और परिवारजन Nabam Tagam, Nabam Aka, Nabam Hari और Nabam Mary ने भी बहुत सी सरकारी योजनाओं और परियोजनाओं में अलग-अलग कामकर राज्य के ख़जाने को लूटा था|

10.14. राज्य में इन सभी घाटे और घोटालों के जिम्मेदार तुकी ही है| जिन्होंने राज्य को कुएं में धकेल दिया और भोली जनता को बेवकूफ बनाया है|

10.15. Social Media (facebook, whatsapp) पर लोग पूछ रहे है कि यह पैसें कहां से आये? लेकिन अगर इनसे सच पूछा गया, तो यह आप से नज़र मिलकर बात भी नहीं कर सकेगे|

10.16. नबाम तुकी की इन्ही हरकतों से तंग आकार मैंने और राज्य के ज्यादातर विधायकों ने एक सुर में उनका विरोध किया| उनकी सरकार अल्पमत में होने पर भी उन्होंने अपने स्पीकर भाई Nabam Rebia के साथ मिलकर व उनकी मदद से 2 विधायकों को निष्कासित कर दिया और अपनी सरकार चलाते रहे|

Kalikho Pul

10.17. Speaker Impeachment का मामला होने पर भी Nabam Rebia अपने पद पर बने रहे, जबकि 14 दिनों के अंदर ही इस पर कार्यवाही होनी चाहिए थी| वही vote of no confidence होने पर भी Nabam Tuki CM पद पर बने रहे, जबकि राज्यपाल ने उन्हें बहुमत सिद्ध करने को कहा था| 13 जनवरी 2016 को गुवाहाटी हाईकोर्ट से दिए गये फैसले के बाद भी अपनी सरकार चलाते रहे और राज्य को लुटते रहे|ऐसे में Nabam Tuki को अपना त्याग पत्र पेश करना चाहिए था| जबकि उन्होंने ऐसे नहीं किया|

10.18. एक राज्य में राज्यपाल ही सबसे बड़े होते है| राज्यपाल की ही इजाजत से मुख्यमंत्री व मंत्री तय होते है| Transfer, Posting और Appointment भी राज्यपाल के दिशा-निर्देश में किये जाते है| जबकि इन्होंने हमेशा कानून, न्याय और जनता का मजाक उड़ाया है|

10.19. मैंने अपने 23 सालों के राजनीति जीवन में 5 मुख्यमंत्रीयों के साथ काम किया, लेकिन नबाम तुकी जैसा भ्रष्ट और ख़राब तंत्र (system) कही नहीं देखा| इनकी सरकार ने राज्य में बंद, हड़ताले और दंगे करवाएं| जनता को जाति, धर्म व क्षेत्र के नाम पर बांटा और उनमें लड़ाईयां करवाई|

Kalikho Pul

10.20. इन्होंने सरकार, कानून, लोकतंत्र, संविधान, न्यायालय और जनता के साथ खिलवाड़ किया है और हमेशा इनका अपमान किया है| इन्होंने हमेशा जाति, धर्म, समाज, मजहब, भाषा और क्षेत्र के नाम पर राजनीति की है|

10.21. जिस इंसान ने जनता की सेवा की जगह अपना घर भरा है| आज जनता को उससे जवाब मांगना चाहिए की जो भी जमीन-जायदाद, धन-संपति बनाई है, वह कहा से आई? क्या कही पैसा छापने की मशीन मिली थी या पैसों की factory मिली थी? इन पर कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए और जनता का अपना हक़ मिलना चाहिए|

11. **चोवना मेन**- राज्य के बड़े मंत्रीयों में से यह सबसे ज्यादा भ्रष्ट है| जिस भी विभाग में यह गये वहा बदनामी के छींटे अपने दामन पर झेले है| मैं इनका असली चेहरा जनता के सामने रखता हूं|

11.1. RD मंत्रालय में कभी कोई लेनदेन नहीं किया गया था, पर इन्होंने एक PD (Project Director) पर 10 लाख रुपये लेकर इसकी शुरुवात की थी| APO पर 5 लाख रुपये की घूस लेते थे| BDO पर 3 लाख रुपये की घूस लेते थे|RWD और PMGSY योजनाओं पर भी ठेकेदारों से percentage तय कर घूस लेते थे|

Kalikho Pul

11.2. Transfer और Promotion के लिए भी घूस लेते थे|

A. EE - 15 लाख रुपये

B. AE -5 लाख रुपये

C. JE - 3 लाख रुपये

11.3. शिक्षा मंत्री बनने पर चोवना ने 3 से 4 लाख रुपये लेकर लोगों को बिना इंटरव्यू के टीचर पद की नौकरी दी थी|

11.4. PHE और PWD में भी ट्रान्सफर और पोस्टिंग पर 10-15 लाख रुपये पर बहुत सा पैसा कमाया था|

11.5. LoC में Chouna Mein ने पैसों की मांग की थी, जिसके कारण बहुत से अधिकारियों ने डिवीज़न में जाने से मनाही कर दी थी और नाराज़ भी हो गये थे|

11.6. PHE मंत्री रहते समय, Jarbam Gamlin सरकार में Relief fund के तहत 46 करोड़ रुपये की दलाली कर 15 ही दिनों में अल्फ़ा और अंडरग्राउंड ताकतों की मदद से गम्लिन सरकार को गिरा दिया था|

11.7. PHE मंत्री रहते समय, केंद्र सरकार ने water supply के लिए 67 करोड़ रुपये आये थे, जिसे बिना काम किये पैसों का दुरूपयोग किया गया| जिसका record RTI से लिया गया है और यह आज भी RTI कार्यकर्ता के पास मौजूद है|

11.8. फिर तुकी सरकार में वित्त मंत्री बनने पर इन्होंने राज्य को financial crisis की सौगात दे दी|

Kalikho Pul

11.9. Development Plan Fund को Non Plan में डाल कर Fund का दुरूपयोग किया गया| जिसकी बदोलत उनके कार्यकाल में राज्य में overdraft की समस्या थी|

11.10. इन्होंने राज्य में हमेशा से ही ऐसे विभागों को चुना जिनमें ज्यादा Transation होता हो| ज्यादातर यह planning, finance & PWD में रहने की मांग ही करते रहे, ताकि उनकी ज्यादा से ज़्यादा कमाई हो सके| क्या ऐसे नेताओं के हाथ में राज्य सुरक्षित है?

11.11. आज हर कही जमीने, संपति, चाय बगान, संतरा बगान और रबड़ बगान खरीदकर Namsai जिले की आधी संपति को इन्होंने अपने नाम पर कर रखा है|

11.12. आज दिल्ली, कलकता, बैंगलोर और गुवाहाटी में आलिशान बंगले, commercial states और संपति बनाई|

11.13. जनता जवाब मांगे की राज्य और जनता को क्योंगुमराह किया गया? विधायक या मंत्री बनना पैसों की factory चलाना तो नहीं है, फिर इतना पैसा कहा से आया? क्या यही है कांग्रेस के असली नेता? जनता को क्यों धोखे में रखा गया? और जनता की ज़िन्दगीयों से क्यों खेला गया?

Kalikho Pul

12.**Karikho kri** - यह महाशय कभी तेजू से विधायक थे| विधायक बनने से पहले इनके पास अपना घर भी नहीं था| अपने बड़े भाई, जो की PHE में Engineer थे, यह उनके साथ ही रहते थे| अपने पहले विधानसभा चुनाव में एक पुराने स्कूटर से campaign शुरू किया था और विधायक बनने के 3-4 सालों में ही हर कही जमीन और संपति खरीद कर आधे तेजू के मालिक हो गये| अब उनके पास आलीशान बंगले, शानदार गाड़ियां और नवाबों के ठाट-बाठ है| आज ईटानगर, दिल्ली, कोलकाता, बैंगलोर में आलीशान बंगले और संपति है| आज उनसे कोई नहीं पूछता की यह पैसा कैसे और कहा से आया? लोग उनके पैसों के पीछे-पीछे भागते है| राज्य में विधायक बनाना किसी लौटरी लगने जैसा है| जहां हर कोई रातों-रात करोड़पति बन जाता है| राज्य में ऐसे और भी बहुत से विधायक है, जो विधायक बनने पर राज्य को लूटते है|

13.जैसे की जब इस बार सुप्रीम कोर्ट का order आया तब मुझसे कई विधायकों ने 15 करोड़ रुपये नगद मांगे थे| उनका कहना था की अगर अपनी सरकार बचाना है, तो हमें इतने पैसे दे| लेकिन मैं यहाँ पैसा बनाने या पैसा बाँटने के लिए नहीं आया, बल्कि जनता के सरकारी ख़जाने को बचाने व रक्षा करने आया था, सही समय और सही ढंग से जरुरतमंद योजनओं को आगे बढ़ाने और जनता की सेवा और उनके हित में विकास करने के लिए आया था| जब भी कभी राज्य में Political Crisis होती है, तो यह विधायक दोनों तरफ से 10-15 करोड़ रुपये लूटते है| ऐसा कर यह अपने आपको नीलाम करते है, बेचते है| राज्य में ऐसा कब तक चलता रहेगा? जनता को विधायकों से सवाल करना चाहिए, उनके खिलाफ जन आंदोलन करना चाहिए| आज के सभी विधायक भ्रष्ट है, इन्हें विधानसभा में जाने का कोई हक़ नहीं है, जनता को इनसे त्याग पत्र मांगना चाहिए, ताकि वह एक नयी और बेहतर सरकार चुन सके, जिससे राज्य का हित हो सके|

(ख्याल कर मुझे दुःख है, मेरे अच्छे
दोस्त PD Sonaji का काम पूरा
नहीं कर पाया, उनका मांग था
10 करोड़ नगद, पर मैं 4 करोड़ ही दे पाया
11/07/2016 के दिन को)

Kalikho Pul

13.1. राज्य में सही सोच-विचार के साथ, मज़बूत इच्छा शक्ति, स्पष्ट उद्देश्य के साथ स्पष्ट निति, कैंद्रित योजनायें के साथ अगर हम सिर्फ विकास के मकसद से और गरीब जनता के सेवा भाव से काम करे तो हम बहुत कुछ कर सकते है।

13.2. मैंने अपने 4½ महीनों के मुख्यमंत्री कार्यकाल में जो करके दिखाया, वह एक उदहारण है कि हम कैसे एक राज्य को आगे बढ़ा सकते है और उसे विकास दे सकते है। लेकिन मेरे विधायक साथीयों ने मुझे ऐसा करने नहीं दिया और यह किसी को भी करने नहीं देंगे।

13.3. क्योंकि अपने 25-30 साल के राजनैतिक जीवन में मैंने विधायकों को ऐसा ही करते देखा है। राज्य के ऐसे भ्रष्ट व बदमाश विधायकों और नेताओं के साथ काम कर पाना मुश्किल है। यह लोग कभी नहीं बदल सकते है और ना ही कभी सुधर सकते है। इन लोगों को समझाने, सबक सिखाने और एहसास दिलाने की बेहद जरुरत है। अब इन लोगों को जनता की शक्ति दिखाने का वक्त आ गया है, ताकि यह फिर कभी जनता के साथ खिलवाड़ नहीं कर सके।

Kalikho Pul

13.4. मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं की, अगर राज्य में 4 महीनों में 3-4 बार सरकार बदलेगी तो राज्य को बहुत सा नुकसान होता है, जिसका आपको अंदाजा भी नहीं होगा| वही जनता बिना समझे हर बार नये मुख्यमंत्रीयों और मंत्रियों की जय-जयकार करती है| जबकि मैं समझता हूं की यह उनके साथ धोखा है|

13.5. इसलिए मैं जनता से अनुरोध करता हूं की, वह इस संदेश और बलिदान को गंभीरता से ले, अपने नेताओं से हिसाब-किताब मांगे, उनका कड़ा विरोध करे, गांव, कस्बों, शहर और जिलों में इन भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ भारी मात्रा में जन आंदोलन हो और राज्यपाल व केंद्र सरकार से राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग करे और राज्य में पहले जैसी केंद्र शासित सरकार हो| ताकि राज्य में विकास हो और सभी जनता को बराबर अपना हक़ मिल सके और राज्य में अमन, सुख और शांति बहार हो सके|

13.6. ताकि राज्य में सही समय में फिर से चुनाव हो सके, जिसमे नये चहेरे, अच्छे पढ़े-लिखे, नेक इंसान हो, अच्छी सोच-विचार वाले, अपने ज़िन्दगी में सघंर्ष किये हो उन्हें मौका मिले, जिससे राज्य की गरीब जनता का हित और विकास हो सके|

Kalikho Pul

14. **कांग्रेस**-एक छात्र रहते हुए मैं कांग्रेस से जुड़ा था और आज कांग्रेस में रहते हुए मुझे 33 साल हो गये है| कांग्रेस से जुड़ने के पीछे एक कारण था|

14.1. वह मान मर्यादाओं, विचारों, आदर्शों और देशभक्ति का दौर था| 7 मार्च 1986 में श्री राजीव गाँधी तेजू आये थे, उनका स्वागत करने के लिए मैं भी हाथ में तिरंगा झंडा लिए खड़ा था| मैंने तिरंगा झंडा राजीव जी को भेंट किया और उन्होंने मुझे कहा था कि अच्छे से पढ़ो और अच्छे आदमी बनो| उस दिन उन्होंने अपने भाषण में 3 बातें कही थी-

1. अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग है|
2. दिल्ली दूर है पर मेरे दिल से दूर नहीं हो|
3. हम केंद्र से 100 रुपये भेजते है, लेकिन यहाँ सिर्फ 25 रुपये ही पहुँचते है, और हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ेगे|

14.2. इन सब बातों का मुझ पर गहरा प्रभाव पड़ा और मैं कांग्रेस से जुड़ गया| आज मैं 1995 से लगातार Hayuliang से चुना गया हूं और राज्य में सबसे ज्यादा वोटों से जीतता आ रहा हूं| लेकिन आज दु:ख होता है कि इतने बड़े कांग्रेस परिवार को जनता की सेवा करने वाला नहीं, बल्कि भ्रष्ट और बदमाश लोग चाहिए| आज नेता सेवक नहीं दलाल बन गये है, Business कर सिर्फ अपना स्वार्थ ही देख रहे है|

Kalikho Pul

14.3. तब राजनीति में सिधांतों, नीतियों और विचारों पर बहस होती थी| आज आरक्षण, fund, धर्म-मजहब, जाति, क्षेत्र के नाम पर लोगों को बांटकर वोट बटोरने का काम करते है और गरीबों की लाचारी पर राजनीति होती है| वह भी एक दौर था, यह भी एक दौर है|

14.4. वर्ष 2008 में दोरजी खांडू के कहने पर व मजबूरी वश मैं खुद 4 बार मोतीलाल बोहरा को रुपये पहुँचाने गया था| जिनका कुल 37 करोड़ रुपये होता है|

14.5. वर्ष 2009 में राज्य को एडवांस 200 करोड़ रुपये का लोन देने पर दोरजी खांडू के कहने पर मैंने श्री परनब मुखर्जी (तब वित्त मंत्री) को 6 करोड़ रुपये इस पते पर दिए थे|

Vatayal 802/7
kavi bharti sarani
kolkata- 700029

14.6. वर्ष 2015-16 के बीच मैं 13 महीनों के लिए दिल्ली में था| जिसमे मैं कांग्रेस के निम्न नेताओं से मिला-

- नारायण स्वामी से 13 बार मिला
- कमल नाथ से 4 बार मिला
- सलमान खुर्शीद से 5 बार मिला
- गुलाम नबी आजाद से भी 5 बार मिला था|

Kalikho Pul

14.7. लेकिन सोनिया गाँधी और राहुल गाँधी मुझसे नहीं मिले थे| एक ओर सलमान खुर्शीद और गुलाम नबी आजाद ने मेरी बात सही से सुनी व मदद करने की कोशिश की थी| लेकिन नारायण स्वामी ने 110 करोड़ रुपये पार्टी फण्ड और खुद के लिए मांगे थे| जिसे उन्होंने personal staff BS Yadav के Through से मांगे थे, Sagar Ratna (South Indian Restaurant)में कई बार मुझे बुलाया और अपनी मांग बताई| कपिल सिबल ने 9 करोड़ रुपये मांगे थे| जब कमल नाथ से मिला तब उन्होंने भी 130 करोड़ रुपये के लिए मुझसे कहा था| जिसे उन्होंने Anupam Garg, Mr. Miglani और Navin Gupta से कहलवा कर मांगे थे|

14.8. इन सभी बातों का मुझे बहुत ही गहरा दुःख हुआ था| मैं बहुत दिनों तक गहरी सोच और चिंता में डूबा रहा| पार्टी ने मेरे खिलाफ बहुत जहर उगला फिर भी मैं 3 बार कोर्ट केस जीत कर आज भी कांग्रेस पार्टी से जुड़ा हूं| सच पूछो तो मैंने कांग्रेस का असली चेहरा देखा है और अब मेरी कांग्रेस में और राजनीति में रहने की इन्छा ही नहीं है| कांग्रेस के बड़े नेताओं ने अपना राजधर्म नहीं निभाया और ना ही निभा रहे है| मैं खुद को बहुत ही अभागा समझता हूं कि, मैं इतने सालों तक अँधेरे में चलता रहा, ऐसी पार्टी से जुड़ा रहा जिसने मुझे खून, मशक्कत, पसीने और आंसू के अलावा कुछ नहीं दिया| मुझे कहने में शर्म महसूस होती है, लेकिन कांग्रेस ऐसी पार्टी है जिसका पूरा ढांचा ही भ्रष्ट है|

Kalikho Pul

15. **कानून**- एक लोकतंत्र में कानून और न्याय का महत्व सबसे ऊपर रहता है| अगर कानून और न्यायालय ना हो तो लोकतंत्र का चलना मुमकिन नहीं है| न्यायालय का काम है, आम जनता, गरीब और असहायक लोगों को उसका हक़ दिलाना, उसकी मदद करना और बचाव करना है|

15.1. जबकि मैंने इसके बिलकुल उलटा होते देखा है| न्याय के दलालों को देखा और न्याय को बिकते देखा है| आज कानून खुद न्याय का दलाल बन बैठा है|

15.2. अरुणाचल राज्य में हुए PDS घोटाले केस को राज्य सरकार ने गलत बताया, FCI ने गलत बताया और केंद्र सरकार ने भी गलत बताया, फिर भी सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों को खुला छोड़कर उनका पूरा पेमेंट करने का आदेश दे दिया| जिससे राज्य का विकास कोष खाली हो गया| **Chief Justice Altamas Kabir**ने 36 करोड़ रुपये की घूस लेकर गलत फैसलादिया था| जिसे उन्होंने अपने बेटे के जरिए समझौता किया था| जबकि वह फैसला गलत था| **Chief Justice Altamas Kabir**अपने फैसलों से पहले भी विवादों में रहे है|

Kalikho Pul

वर्तमान अदालत मामले

15.3. 16-17 को हुई विधानसभा में नबाम तुकी सरकार को vote of confidence सेहटाया गया|

15.4. इस पर नबाम तुकी कोर्ट से stay लेकर आ गये, और उनकी सरकार चलती रही| इसके साथ स्पीकर नबाम रिबिया भी अपने पद पर बने रहे| इतना कुछ होने पर भी हमने सरकार नहीं बनाई|

15.5. 13 जनवरी को गुवाहाटी हाईकोर्ट ने इस stay को ख़ारिज कर दिया और petition भी ख़ारिज की गयी| इस पर नबाम तुकी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया| इसके बाद भी उनकी सरकार चलती रही|

15.6. गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले पर भी हमने सरकार नहीं बनाई|

15.7. इसके बाद राज्य में कानून व्यवस्था बिगड़ते गयी| राज्य के हर कोने में घटनाएं बढ़ने लगी| यहाँ तक की गवर्नर से भी बदसलूकी की गयी| राज्य में शांति व्यवस्था नहीं रही, हर दिन हड़ताले होने लगी, financial crisis आ गया और राज्य की हालत दिन-ब-दिन ख़राब होते गयी|

Kalikho Pul

15.8. अगर 16-17 दिसम्बर को हुई विधानसभा को मान्य नहीं माना गया, जिससे पिछले 6 महीने से विधानसभा का सत्र नहीं हुआ| जिसके चलते राज्य में constitutional crisis भी पैदा हो गया|

15.9. और राज्य में बढ़ती वारदातों और घटनाओं को देखकर, 26 जनवरी को राज्य में president rule लगाया गया| जिसके कारण नबाम तुकी सरकार हटी|

15.10. 19 फ़रवरी को राज्य में president rule हटाया गया| राज्य में president rule हटने के बाद हमने 33 विधायकों के साथ नयी सरकार बनाने की पेशकश की, इस पर राज्यपाल जी ने हमें सरकार बनाने का न्यौता दिया और 10 दिनों में बहुमत सिद्ध करने को कहा गया|

15.11. सात दिनों में ही यानि 25 फ़रवरी को सदन में हमने अपना बहुमत सिद्ध किया|

15.12. हमारी सरकार कही भी गलत कारणों से नहीं बनी थी, हमने हमेशा संविधान, कानून, न्याय और निति को मानते हुए काम किया और सरकार बनाई|

Kalikho Pul

15.13. जबकि सुप्रीम कोर्ट दवारा दिया फैसला इस प्रकार है|
सुप्रीम कोर्ट ने 5 (पांच) जज की संविधान बेंच में यह बाते कही-

1. राज्यपाल के preponing को ख़ारिज किया|
2. राज्यपाल के Message को ख़ारिज किया|
3. पहले और दूसरे (1&2) को ध्यान में रखते हुए(16-17) हुए सत्र को ख़ारिज किया|
4. पहले,दूसरे और तीसरे(1,2&3) को ध्यान में रखते हुए विधानसभा के फैसले को ख़ारिज किया|

15.14. सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले में कही और कैसे भी मेरी सरकार के खिलाफ कुछ भी नहीं कहा गया और कुछ गलत आदेश नहीं दिया| सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में लागू President Rule के बारे में भी कुछ नहीं कहा| 25 फ़रवरी को विधानसभा में हुए Floor Test जो की 6th Legislative Assembly का 7th Session था,जिसके बारे में भी कुछ नहीं कहा| इसके बाद विधानसभा में बजट सत्र हुआ, बजट पारित हुआ जो 6th Legislative Assembly का 8th Session था, इस पर भी सुप्रीम कोर्ट ने कुछ नहीं कहा|

15.15. इस केस में दिया गया सुप्रीम कोर्ट का फैसला बिलकुल गलत था, हमारे संविधान में दिए गये यह कानून बहुत ही आम है और बच्चें-बच्चें इन कानूनों से वाकिफ़ है|

Kalikho Pul

- Article 174 - (The Governor shall from time to time summon the House or each House of the Legislature of the state to meet at such time and place as he thinks fit.)राज्यपाल को यह पॉवर है की वह विधानसभा को नियमित अंतराल से चलाये| राज्यपाल विधानसभा में कोई बाधा होने पर अपने हिसाब से समय और जगह तय कर सत्र बुला सकते है|

- Article 175- (The Governor may sent messages to the House or House of the Legislative of the state, whether with respect to a Bill then pending in the Legislature or otherwise, and a House to which any message is so sent shall with all convenient dispatch consider any matter required by the message to be taken into consideration.) राज्यपाल विधानसभा के दोनों हाउस कोअपना Message भेज सकते है, सत्र में भेजे गये मेसेज को हर हाल में अमल में लाना होगा|
- Article 163- मुख्यमंत्री या उनके मंत्री परिषद् राज्यपाल से सलाह ले सकते है| अगर किसी भी तरह का कोई विवाद खड़ा होता है, तो राज्यपाल का फैसला ही अटल व मान्य होगा| इसके लिए राज्यपाल के फैसले को किसी भी कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती|

15.16. हमारे देश के संविधान में बताये गये यह कानून किसी राज्य में सरकार गिरने या minority में होने और राज्य में किसी तरह की crisis आने पर राज्यपाल को यह अधिकार रहता है कि वह राज्य में विधानसभा के सत्र को बुलाकर, मुख्यमंत्री को बहुमत सिद्ध करने का आदेश दे सकते है|

Kalikho Pul

15.17. इस केस में सिर्फ नबाम तुकी को ही हटाने की बात नहीं थी, बल्कि स्पीकर नबाम रिबिया को भी हटाने का प्रस्ताव था| यह जानकार नबाम रिबिया ने एक महीने की जगह दो महीनों से भी ज्यादा समय देकर विधानसभा सत्र बुलाया, जबकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था| ऐसा कर वह विधायकों को खरीद-फ़िरोक करने में अपने भाई नबाम तुकी की मदद कर रहा था|

15.18. जबकि स्पीकर को हटाने के नोटिस और प्रस्ताव आने के सिर्फ 14 दिन बाद ही कार्यवाही की जानी चाहिए| इस बात को ध्यान में रखते हुए राज्यपाल ने विधानसभा सत्र को preponing किया| राज्यपाल ने हमेशा कानून के दायरे में रहकर काम किया, इसमें उनकी कोई गलती नहीं थी|

15.19. सुप्रीम कोर्ट से ऐसा फैसला मिलने पर मेरा न्यायालय से विश्वास ही उठ गया है| मुझे दुःख तो इस बात का है कि अरुणाचल राज्य के विधायक तो बिके हुए है और बिकते है, कांग्रेस भी बिकी हुई है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के जज भी बिके हुए होंगे मैंने नहीं सोचा था|

15.20. उन्होंने फैसला मेरे हक़ में देने के लिए मुझसे और मेरे करीबीयों से कई बार संपर्क किया गया| उन्होंने मुझसे 86 करोड़ रुपये की घूस मांगी थी| जबकि मैं एक आम और गरीब आदमी हूं, मेरे पास इतने पैसे नहीं है जिससे मैं सुप्रीम कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट के जज और उसके फैसले को खरीद नहीं सकता और ना ही खरीदना चाहता हूं|

Kalikho Pul

15.21. क्योंकि मुख्यमंत्री की जो कुर्शी है वह जनता की सेवा और सुरक्षा के लिए है, जिसको मैं खरीदकर हासिल नहीं करना चाहता हूं। इसी लिए मैं कोर्ट में दुबारा नहीं गया और ना ही दुबारा अर्जी डाली।

15.22. विरेंदर कहर, जस्टिस कहर के छोटे बेटे ने मेरे आदमियों से संपर्क कर मुझसे 49 करोड़ रुपये मांगे।

15.23. वही आदित्य मिश्रा, जस्टिस दीपक मिश्रा के भाई ने मुझसे 37 करोड़ रुपये की मांग की थी।

15.24. **कपिल सिब्बल-** सुप्रीम कोर्ट में इनकी अपनी लॉबी है, हर वकील, हर जज इन्ही के इशारे पर घूस लेकर, झूठे फैसले करते है और नाचते है।

- कपिल सिब्बल ने Chartered Plane में गुवाहाटी आकर ½ घंटे में ही हाईकोर्ट से Keep in Abeyance order लिया था। जबकि पहले कोर्ट ने इस केस को Turn Down कर दिया था।
- इस पर मैं Prashant Tiwari के साथ कपिल सिब्बल से 4 बार मिला, मैंने सिब्बल जी को नबाम तुकी की सारी हकीकत बताई।
- जब मैं कपिल सिब्बल से उनके घर पर (इस पते- 1 ज़ोरबाग, मेट्रो स्टेशन के पास, अरबिंदो मार्ग दिल्ली) मिला तब उन्होंने मुझसे 9 करोड़ रुपये की मांग की थी और उन्होंने Advance 4 करोड़ रुपये की मांग की थी। यह बात तय होने के बाद, उन्होंने गुवाहाटी हाईकोर्ट में Regular Hearing में जाना छोड़ दिया।

Kalikho Pul

- गुवाहाटी हाईकोर्ट में जहां कांग्रेस का वकीलों और जजों पर दबाव नहीं था, वहा हमने यह केस जीता था|

- बाद में हमें यह पता चला की कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गाँधी ने कपिल सिब्बल को राज्यसभा संसद सीट में जाने का लालच देकर नबाम तुकी के केस दुबारा लड़ने को कहा|

- कपिल सिब्बल ने ही सुप्रीम कोर्ट में जजों को पैसे देकर सारा खेल रचा और नबाम तुकी को झूठी जीत दिलाई थी और आज वह राज्यसभा के संसद बन गये है|मैंने अपने 31 साल के राजनीति जीवन में देखा है कि, न्यायालय में कांग्रेस के ही वकील और जज है, जो आपस में मिले हुए है|

15.25. मुझसे जुलाई 12 तारीख की रात 9 बजे तक संपर्क किया गया, कि अगर मैं एडवांस 9 करोड़ रुपये दे दूं, तो फैसले को एक महीने तक टाला जा सकता है और मेरे पक्ष में फैसला देने पर बाकी 77 करोड़ रुपये देने की बात कही|

15.26. लेकिन मैंने उनकी एक नहीं सुनी और ना ही पैसे देने के लिए राज़ी हुआ| न्याय को डगमगाता देखकर ही मैंने फैसले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की और ना ही फैसले के वापस विचार पर कोई अर्जी दाखिल की, क्योंकि मुझे पता चल गया था की न्याय और जज बिक चुके है|

Kalikho Pul

15.27. आज 25 जुलाई तक जस्टिस कहर की तरफ से, राम अवतार शर्मा मुझसे संपर्क कर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बदलने की बात कर रहे है| इस पर कब और कैसे petition डालना है, इसका काम भी उन्होंने खुद ही पर लिया है| इसके लिए उन्होंने मुझसे 31 करोड़ रुपये मांगे है|

15.28. देश और जनता कानून के इन दलालों, सौदागरों और भ्रष्ट गद्दारों को पहचाने और अपने अंतरात्मा से न्याय के तराजू पर सच-झूठ, सही-गलत का फैसला करे| सरकार को जज के फैसले पर भी निगरानी रखनी चाहिए और सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती देने के लिए कोई कानून बनाना चाहिए|ताकि इस कानून की मदद से न्यायालय में हो रहे भ्रष्टाचार को रोका जा सके| जल्द से जल्द इस तरह के कानून को बनाया जाना चाहिए, जिससे देश और जनता के हित में न्याय हो सके|

15.29. आज देश में वकील और जज भी भ्रष्ट है| जज का काम संविधान का सही गलत बताना है, ना की उसे झूठ बता कर पेश करना और ना झूठा फैसला करना| सच कड़वा होता है, लेकिन सच मुझे इस हालत में मिलेगा मुझे नहीं पता था| इस सच का सामना कर मेरी रूह अन्दर तक कांप गयी है| मेरा न्याय से भरोसा उठ गया है| इस देश के बारे में चिंता होती है कि यहाँ की भोली जनता का क्या होगा? दोस्तों मैंने जो भी बाते यहाँ बताई है वह शत-प्रति-शत सही है| मैंने यह बाते अपने अंतरात्मा से कही है| मैंने इन्हें कही भी बढ़ा-चढ़ाकर, मिर्च-मसाला मिलाकर पेश नहीं किया है और ना ही तथ्यों से कोई छेड़छाड़ की है|

Kalikho Pul

15.30. आज जो बाते हम फिल्मों में देखते और कहानियों पढ़ते-सुनते आ रहे है, उन्हें हम हकीकत में देख रहे है, जिससे यह बात सिद्ध हो गयी की पैसा बोलता है| जहां कही भी घटना होती है, वह एक बार ही होती है, जैसे-जैसे Complain, Enquiry, Court case Hearing होती है, वैसे स्थति और हालत नहीं बदलते, फिर जजों के मत और फैसले क्यों बदलते है? इस देश में संविधान के कानून की एक ही किताब है जो Lower Court, Session Court, High Court और Supreme Court में रखी है और उसके बाहर भी देश-दुनिया में उपलब्ध है| जिसे वकीलों और जजों के अलावा और भी लोग पढ़ते है, समझते है|

15.31. जब कानून की किताब नहीं बदलती तो जजों के फैसले कैसे बदल जाते है? case में हार-जीत का फैसला बारबार क्यों बदलता है? किसी भी case में बदलता हुआ फैसला हमें यह बताता है कि, कानून के जज बिके हुए है| लेकिन इन फैसलों से सच नहीं बदलता है, सच तो अटल और अजर-अमर है, जिसे भगवान भी नकार नहीं सकते है|

Kalikho Pul

15.32.मैंने अपनी छोटी सी ज़िन्दगी में, बचपन से ही गांव का प्यार और विश्वास जीता है, छात्र समय से ही सभी चुनाव जीते है और आज अपने राजनीतिज्ञ जीवन में भी मैंने कभी हार का चेहरा नहीं देखा, 1995 में अपने पहले विधानसभा चुनाव से ही मैं मंत्री बनाया गया, हर पद पर काम करते हुए, मैंने बिना बदनामी के कठिनता और मेहनत से कार्य किया है| जिससे मैंने अपनी छोटी सी जिंदगी में समाज, समुदाय, क्षेत्र और राज्य के विकास में और लोगों के सेवा में बहुत सा योगदान दिया है|

15.33.इसलिए मुझे अपने ज़िन्दगी से, कर्मो से कोई गिला-शिकवा, पछतावा, कोई दुःख कोई गम नहीं है| इसलिए सुप्रीम कोर्ट के दिए गये फैसले को मैं अपनी हार नहीं मानता हूं| क्योंकि मैं जानता हूं की, मैं अगर कोई Clarification, Review Petition या SLP दायर करू तो मैं पक्का जीतूंगा, जहां जजों का फिर से कम से कम 80-90 करोड़ रुपये का कमाई होगी, वह भी दोनों तरफ से| इसलिए मैं ऐसा नहीं करना चाहता हूं|

Kalikho Pul

मेरा संदेश

इस राज्य और देश की नादान व भोली जनता को मेरा संदेश सरल और साफ़ है|

16. **जनता-** मैं मेरी प्यारी जनता को अपील और विनम्र निवेदन करता हूं कि, हमेशा राज्य और समाज हित में ही अपना अमूल्य वोट दे| कभी किसी के दबाव में अपने आने वाले कल को मत मारे और ना ही किसी बाहुबली को अपने ऊपर हावी होने दे| चुनावी समय में बांटे गये शराब और पैसों के लिए अपने भविष्य और आने वाली पीढ़ी को दलदल में ना धकेले और ना ही अपने हक़ के लिए किसी से कोई समझौता करे| अपना वोट देने से पहले एक बार अपने बच्चों को देख ले और उनके भविष्य के बारे में सोच ले, मैं पक्का दावा करता हूं की आपका वोट सही उम्मीदवार को ही जायेगा| जनता को उम्मीदवारों के खोखलें और चुनावी जुमलों को पहचानना चाहिए, वोट मांगने पर उनसे सच-गलत पर सवाल करना चाहिए और जहां तक हो सके उनकी बीती ज़िन्दगी, उनके आचार-विचार और उनके रवैये को देखकर ही वोट देना चाहिए|

Kalicharan Pal

16.1. मैंने काफ़ी बार यह देखा है कि, समाज के बहुत से ईमानदार लोग वोट देने से कतराते है| वह सोचते है कि, उनके एक वोट देने से कोई फ़र्क नहीं पड़ता, जबकि यह सोच गलत है| जनता का एक-एक वोट हीरे जितना कीमती और बहुमूल्य होता है, क्योंकि उस वोट में लोकतंत्र की वह ताकत होती है, जो हर बाहुबली और तानाशाह को उखाड़ फैकने में सक्षम होती है|

16.2. जनता यह तय करे और उनका यह फ़र्ज़ है कि वह सोच-समझकर अपने हित में आने वाले उम्मीदवार को ही वोट देकर विजयी बनाये, फिर चाहे वह किसी भी कोम, मजहब या समाज का हो| जनता को एक पढ़े-लिखे, संस्कारी, उच्च विचारों से ओत-प्रोत, राष्ट्रीय चिंतन, अपने जीवन में कड़े संघर्ष किया हो, अपने जीवन में दुःख देखा व साहा हो और देशभक्त उम्मीदवार को चुनना चाहिए| जिससे समाज के हर वर्ग का फ़ायदा हो सके और राज्य व देश सही दिशा में आगे बढ़ सके|

Kalikho Pul

17. **विद्यार्थी**- विद्यार्थीयों को मेरा संदेश इतना है कि वह अपनी पढ़ाई पूरी लगन, मेहनत और ईमानदारी के साथ करे| आप अपनी पढ़ाई को ही पूजा समझे और पूरी श्रध्दा व शक्ति के साथ अपने लक्ष्य को हासिल करे| आप विद्यार्थी जीवन में जो ज्ञान और समझ हासिल करते है, वही ज्ञान व विवेक आपके जीवन भर साथ रहता है| आपकी हर वक्त ज्ञान लेना, ज्ञान बांटना और ज्ञान में ही डूबे रहने की कोशिश होनी चाहिए|

17.1. इस समय आप मिट्टी के एक कच्चे घड़े की तरह होते हो, जिसे कैसे भी घुमाकर आकार दिया जा सकता है, लेकिन अगर पकने पर आकार दिया गया तो घड़ा फूट सकता है| इसलिए इस वक्त को पहचान कर आप अपने जीवन को महान बना सकते है| अगर हम किसी भी महान इंसान की ज़िन्दगी में झांके, तो हम पाएंगे की वह अपने विद्याथी जीवन में ही सबसे ज्यादा संघर्ष कर आगे बढ़े है| आज आपको सिर्फ अपने career और लक्ष्य के बारे में ही सोचना चाहिए और उसे हासिल करने के लिए जी-तौड़ मेहनत करनी चाहिए|

Kalikho Pul

17.2. यहाँ आपको राजनीति और व्यापार से दूर रहना चाहिए| यदि आप ऐसा करते है, तो आपका दिमाग पढ़ाई से हट सकता है और आप शिक्षा में पिछड़ सकते है|

17.3. हमारे देश में काफी पहले से विद्याश्रम की परंपरा चली हुई है, जिसमें छात्र अपना घर-परिवार, ऐश ओं आराम छोड़कर आश्रम में पढ़ने जाता था| जहां वह शास्त्र, शस्त्र और राजनीति की शिक्षा लेते थे| आज हमें भी कुछ ऐसी ही शिक्षा निति की जरुरत है, जहां हम अपने बच्चों को उनके हिसाब से खेल, संगीत, शास्त्र, विज्ञान, गणित और राजनीति की समझ दे सके और उनके सुन्हेंरे भविष्य की मंगल कामना कर सके| मेरा आपसे यही कहना है कि, अपने इस कीमती समय और जीवन को एक दिशा व लक्ष्य देकर एक महान पीढ़ी बनाने में अपना योगदान दे| अपने इस समय में राजनीति में ना आये और ना ही इसके बुरी चालों में फंसे, ऐसा कर आप अपने career को बर्बाद कर सकते है|

17.4. मेरा यह मानना है कि, छात्र एक Non Political Pressure Group है जिसका काम हमेशा सरकार, नेता और अधिकारियों पर ध्यान व निगरानी रखना है और उन्हें गलत काम करने से रोकना है और जनता व समाज के हित में आवाज उठाना है| राज्य और सरकार में हो रहे गलत कामों को, भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ आवाज अगर छात्र संघ नहीं उठाएंगे तो कौन करेगा? कौन जनता व समाज को सही दिशा देगा? एक बार अपनी पढ़ाई पूरी कर आप किसी भी क्षेत्र या पेशे में जा सकते है|

Kali Kho Pul

18. **NGO-** एक NGO चलाने का सही मतलब राष्ट्रीय का चिंतन करना है| लोगों में जागरूकता पैदा करना, लोगों के हित में सोचना और देश में सही-गलत पर अपने विचार रखना है| समाज, राज्य, और राष्ट्रीय हित में एक सरकार से ज्यादा NGO की भूमिका होती है| NGO को एक सरकार से ज्यादा सेवा भाव रखना चाहिए| एक विश्वास, लगन, मेहनत, ईमानदारी और जज़बे के साथ काम करना चाहिए|

18.1. लेकिन मैंने राज्य में ज्यादातर NGO को पैसा कमाते, अधिकारियों को ब्लैकमेल करते और जन हित के पैसों को गबन करते देखा है| सामाजिक कार्यकर्ताओं को अपना काम छोड़ दूसरों के काम में टांग अड़ाते ज्यादा देखा है| सरकार और अधिकारियों की दलाली में यह बुरी तरह से लिप्त है या यू कहू की इनकी अपनी अलग ही लॉबी है, जिससे वह लोगों से पैसे लूटने में लगे रहते है|

18.2. यही कारण है कि आज राज्य में सामाजिक कार्यकर्ताओं की इज्जत नहीं की जाती और ना ही उनकी आवाज को सुना जाता है| अपनी खोई हुई छवि को वापस पाने के लिए आप सभी सामाजिक कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करना चाहिए और आपका मुख्य उद्देश्य इंसानियत की रक्षा करना, भ्रष्टाचार, गलत नीतिओं, भेदभाव, ऊँच-नीच, सही-गलत, बदमाशों, गरीबों व पिछड़ी जाति को सताने और दंडित करने वालो के खिलाफ लड़ना है| मैं प्रार्थना करता हूं की भलाई की इस राह में आपके कदम कभी नहीं डगमगाएं|

Kalikho Pul

19. **Leaders-** मैं नेताओं को समझाना नहीं चाहता, लेकिन अपने सिधांतो के चलते जो कुछ देखा और अनुभव किया है, उस पर मन में उठ रहे विचारों को जरुर बताना चाहूँगा| नेताओं और मंत्रियों को मेरा यह कहना है कि अगर आप राजनीति में आने की सोचते है, तो जनता को अपने परिवार की तरह समझे, और उनके दुःख को अपना दुःख समझकर उन्हें हर तरह से मदद करने की कोशिश करे| कहने का मतलब है कि बिना जनता के प्यार, सहयोग और आशीर्वाद के कोई नेता नहीं बन सकता|

19.1. क्योंकि चुनावी माहौल और चुनावी रेलीयों के दौरान उम्मीदवारों से भी ज्यादा उनके कार्यकर्ता और वोट देने वाले मतदाता बड़ी ही आशा और उम्मीद के साथ काम करते है, ज्यादा दौड़-धुप करते है, घर परिवार तक बंट जाते है, आपस में लड़ते-झगड़ते है, खून-खराबों तक बात पहुँचने पर भी वह उम्मीदवारों का साथ नहीं छोड़ते| केवल इसलिए की उनका उम्मीदवार चुनाव में जीत कर उनके हित के लिए काम करेंगे- अच्छी सड़के, साफ़-सुथरा और निरंतर पीने का पानी, बेहतर शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, यूवाओं को नौकरी, उनका रहन-सहन, खान-पान अच्छा हो, क्षेत्र में economy बढ़े, समाज में कानून और शांत माहौल पैदा हो और क्षेत्र का सर्वंगीण विकास हो सके|

Kalikho Pul

19.2. राजनीति में आने का मतलब कमाई करना ही नहीं है, बल्कि हम लोगों की सेवा के लिए आये है| अगर हमें कमाई ही करना है तो हमें नेता बनने की जरुरत नहीं है| कमाई करने के बहुत से तरीके है, जैसे - खेती, व्यापार, नौकरी, सरकारी ठेकेदारी, खेल-कूद और नाच-गाना से भी पैसा कमाया जा सकता है| इन सबके बारे में तो हर कोई आम आदमी भी सोच सकता है व कर सकता है|

19.3. लेकिन असल राजनीति तो उस सामाजिक धर्म का नाम है, जिसमें आप अपना सुख-चैन, धन-दौलत, नींद-आराम और सब कुछ त्यागकर समाज के हर वर्ग, हर तबके को अपनाकर जनता की भलाई करनी चाहिए| आज हमें राजनीति में धर्म, जाति, क्षेत्र, भाषा के नाम पर लोगों को गुमराह नहीं करना चाहिए, बांटना नहीं चाहिए, लड़ना-लड़ाना भी नहीं चाहिए| बल्कि हमें राष्ट्रीय ऐकता, अखंडता, सद्‌भावना और संप्रभुता के हित में सुख-शांति बनाये रखनी चाहिए|

Kalikho Pul

19.4. लेकिन मैं इस बात से दुखी हूं की, अरुणाचल राज्य में नेता बनने के बाद वह जनता को भूलकर खुद की ही सेवा करने में लग जाते है| नौकरी की कही post निकालने पर वह अपने ही परिवार, रिश्तेदारों और जाति को ही चुनते है| कुछ post बचने पर वह उन्हें भी दूसरों को देते है वह भी पैसे लेकर| ऐसी नौकरी तो किसी जरूरतमंद, गरीब और हर तरह से पिछड़े हुए लोगों को ही मिलनी चाहिए| अगर यह गरीब इंसान को नौकरी दे भी देते है, तो उनसे घूस मांगते है| इतना ही नहीं घूस लेकर वह अधिकारियों का Transfer भी कर देते है, जिससे अच्छे और काबिल लोगों को काम कर अपना हुनर दिखाने का मौका नहीं मिल पाता है| किसी के promotion करने पर भी यह घूस मांगते है|

19.5. राज्य में contract निकलने पर विधायक और मंत्री अपने बीवी, बच्चों के नाम पर contract लेते है| किसी और को contract देने पर भी उसमे अपनी हिस्सेदारी रखते है| ऐसे में अच्छे और नेक contractor का क्या होगा? वही काम समय पर पूरा नहीं होगा और ना ही काम में कोई गुणवत्ता (quality work) होगी|

Kalikho Pul.

19.6. राज्य में schemes जनता की जरुरत के हिसाब से नहीं बल्कि मंत्रियों और विधायकों के पैसा कमाने के मतलब से बनाई जाती है| यह लोग टेंडर पहले ही तय कर, पैसों का हिस्सा भी तय कर लेते है, कि किसको कितना percent पैसा मिलेगा|

19.7. राज्य में scheme sanction होने पर काम में प्रगति नहीं आती, बल्कि मंत्रियों और विधायकों के ख़जाने में वृद्धि होती है| जिसे वह मिलजुल कर हजम कर लेते है| सरकार और जनता के project खत्म होने से पहले ही नेताओं की building बन जाती है|

19.8. असल में scheme sanction होने के बाद contract का काम 1 साल में पूरा हो जाना चाहिए और project बड़ा होने पर ज्यादा से ज्यादा 2 सालों के अंदर काम पूरा हो जाना चाहिए|

19.9. लेकिन अरुणाचल में एक project को 8-9 साल तक लम्बा खिंचा जाता है, ताकी विधायक और मंत्री ज्यादा से ज्यादा अपनी जेब भर सके| उदहारण के तौर पर आप राज्य में Secretariate building, Assembly building और State Hospital, Naharlagun, MLA cottage, Convention Hall, को देख सकते है| इन योजनाओं को चलते हुए आज 11 साल से ज्यादा का वक़्त हो गया है| secretariate building ने राज्य में चार मुख्यमंत्रीयों को देखा है| जिनमें गेंगो अपांग, दोरजी खांडू, जोर्बम गम्लिन और नबाम तुकी शामिल है| लेकिन एक भी मुख्यमंत्री इस काम को पूरा कराने में सक्षम नहीं थे| इन सभी के कार्यकाल में घोटाले हुए| वही योजना के Fund को 3-4 बार बढ़ाया गया, फिर भी यह काम अब तक पूरा नहीं हुआ है|

Kalikho Pul

19.10. अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल के अंदर मैंने जरुरी fund और Ultimatum देकर 4 महीनों में ही secretariate building के काम को पूरा करवाया, जिससे मुख्यमंत्री और मंत्रियों के दफ्तर shifting को तैयार है | इतना ही नहीं बल्कि इसके साथ Assembly building और State Hospital, Naharlagun के काम को भी मैंने पूरा करवाने के लिए जरुरी फण्ड देकर Ultimatum दिया था, जिसे की अगस्त महीने में shift किया जाना था| मैंने अपनी पूरी मेहनत, जोश और हौसले के साथ काम किया था और वही मेरा कर्तव्य था| मैंने इस राज्य में काम करने की एक मिशाल पेश की है और मैं चाहता हूं की आगे भी project और योजनओं को ऐसे ही पूरा किया जाये|

19.11. मैंने अपने विधानसभा क्षेत्र के Anjaw जिले में 11 micro hydropower project का निर्माण समय और सही fund से करवाया| पहाड़ी और बॉर्डर क्षेत्र होने के बावजूद भी हमने विकास किया| जिसके कारण जिले के DC Hqtr. CO Hqtr में आज 24 घंटे बिजली व्यवस्था उपलब्ध है| जबकि राज्य की राजधानी ईटानगर और सबसे पुराने शहरों- पसिघाट, जीरो, आलो व तेजू में आज भी बिजली की कमी है|

Kalikho Pul.

19.12. मैंने Hawai District Head quater में Township Water Project योजना को पास करवाया था| 14 करोड़ की इस योजना को पूरा करना आसान नहीं था, पहाड़ी क्षेत्र की वजह से हमें काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ा था| लेकिन फिर भी इस काम को 2 सालों में ही पूरा करवा दिया था| आज क्षेत्र के 2 towns (New & Old) और 5 बस्तियों को इस योजना का लाभ मिल रहा है|

19.13. Tezu में भी पानी की ऐसी ही एक योजना को मैंने और Prashant Lokhande, Secretary Planning ने मंजूर करवाया था| समतल क्षेत्र (plane area) होने के बाद भी 24 करोड़ रुपये के fund को खत्म कर इसे आज तक पूरा नहीं किया गया है| जबकि उस fund का misuse हुआ है| Ex- MLA Karikho Kri और उसके Engineer भाई ने पैसों का misuse किया था| Tezu में आज भी लोगों को सप्लाई पानी की तकलीफ है|

Kalikho Pul

19.14. इसी तरह Tezu Township में सड़क सुधारने की बहुत सी योजनाएं थी, जिसे अलग-अलग sources (SPA, TFC, NABARD & Non plan) से 4 सालों में 29 करोड़ रुपये का Fund दिया गया था| जबकि इस ओर कुछ भी काम नहीं किया गया और पैसों का misuse हुआ, जबकि सड़क को अभी भी बनना और मरम्मत करना बाकी है| राज्य के ऐसे ही और भी बहुत से जिलों में, विधानसभा क्षेत्रों और कस्बों में योजनाएं बनी, project sanctioned किया गया, पैसा खत्म हो गया लेकिन काम अभी भी पूरा नहीं हुआ है|

19.15. लेकिन इस राज्य में कही कोई हिसाब-किताब नहीं है| विधायक और मंत्री मिलजुल कर आगे बढ़ते है| जिसके कारण राज्य में बहुत सी योजनाएं आगे नहीं बढ़ पाती और बीच में ही लटक जाती है| जिनका खामयाजा जनता को भुगतना पड़ता है और राज्य विकास नहीं कर पाता है| यहाँ मुख्यमंत्री से लेकर सभी मंत्री और विधायक corrupt है| जिनके चलते राज्य की दुर्गति होती है|

Kalikho Pul

19.16. आज के समय में जनता देश में हो रहे भ्रष्टाचार का खुद शिकार है, उसे देखती है, सेहती है, लेकिन आवाज नहीं उठाती है| जबकि सरकार को वही चुनती है| ऐसी स्थिति में सच्चाई का मरना तो तय है| आज जनता को एकजुट होकर, एक स्वर में भ्रष्ट तंत्र का विरोध करना चाहिए|

19.17. आज अधिकारियों के लिए नियम-कानून, योजना और तंत्र बना हुआ है, जिसके हिसाब से उन्हें काम करना चाहिए| उन्हें जनता की सेवा-सुविधा के लिए न्युक्त किया जाता है| लेकिन यह लोग नेताओं और बड़े अधिकारियों को अपना सहयोग देते है, उनके और अपने हित में काम करते है और उनके दबाव में काम करते है| ऐसी हालत में राज्य और जनता के बारे में कौन सोचेगा? कौन उनके हितों को आगे बढ़ाएगा? यह जाएं तो कहा जाएं?

19.18. पुलिस और प्रशासन का काम लोगों के जान-माल की रक्षा-सुरक्षा करना है, उनके सही-गलत को पहचानना है और उनकी हर संभव सहायता करना है| लेकिन आज यह नेताओं की चापलूसी करते है, उनके साथ मिलकर राजनीति करते है और सिर्फ उन्ही के लिए काम करते है| ऐसे में जनता का क्या होगा और उन्हें कौन बचायेगा?

Kalitkho Pul.

19.19. आज न्यायालय को काम सच का फैसला करना, झूठे और भ्रष्ट लोगों को सजा देना है, फिर चाहे वह अधिकारी, नेता और मंत्री ही क्यों ना हो| लेकिन आज Lower Court से Supreme Court के वकील और जज भी बिके हुए है| ऐसे में सचे, भोले, निर्दोष, मेहनती और अच्छे व्यवहार वाले लोगों का क्या होगा? कौन उनकी सुनेगा? कौन उन्हें सच्चा फैसला देगा? और कौन उनकी रक्षा करेगा? लेकिन यह सबसे ज्यादा दुःख की बात है कि, न्याय और न्यायालय भी बिके हुए है| ऐसे में सिर्फ भगवान ही लोगों की रक्षा कर सकते है| लेकिन भगवान वोट देने तो नहीं आयेंगे, भ्रष्ट तंत्र को सही करने खुद तो नहीं आयेगे| हे भगवान आपसे मेरी प्रार्थना है कि- इस भोली जनता को बुद्धि-ज्ञान दे, सोच-समझ दे, हिम्मत-ताकत दे, ताकि वह भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा सके, लड़ सके और भ्रष्ट दिमाग और विचार वाले नेताओं को उखाड़ सके|

19.20. अगर ऊपर बैठे लोग ही सही नहीं है, तो कैसे हम किसी और को इसका दोष दे सकते है| राज्य के बड़े मंत्री दोरजी खांडू, नबाम तुकी, चोउना मेन, पेमा खांडू व बहुत से मंत्री और विधायकों ने हमेशा अपना स्वार्थ देखा है और अपना घर भरा है|

Kalikho Pul

19.21. मैं राज्य में हो रहे इस भ्रष्टाचार को खत्म करना चाहता था, सरकारी योजनओं और जनता के पैसों को विकास के कामों में उपयोग करना चाहता था| अपने राज्य और जनता को देश के अन्य राज्यों व दुनिया के बराबर और उस से भी आगे बढ़ाना चाहता था| लेकिन शायद यह बात मेरे साथी विधायकों को अच्छी नहीं लगी|

20. मैं पूछता हूं की यह जनता कब जागेगी और कब इसे होश आयेगा| कब तक जनता चुनावों में नेताओं की महँगी कारों को देखकर, शराब व थोड़े से पैसे लेकर और उनके झूठे वादों को सच मानकर वोट देती रहेगी| सच तो यह है की जनता खुद ही बेवकूफ बने रहना चाहती है, वह सच से दूर भागती है| जनता अपने आप तय करे की उन्हें क्या करना है| मेरा काम तो जनता को सच बताना था, लेकिन फैसला जनता के हाथ में ही है|

20.1. अपने 23 सालों के राजनीति सफ़र में अलग-अलग मंत्री पद पर रहते हुए, मैंने राज्य और जनता के हित में जो काम किया, जिस भी विभाग में काम किया या अपने विधानसभा क्षेत्र में काम किया, वह शायद आपको नहीं दिखा|

Kalikho Pul

20.2. लेकिन अपने 41/2 महीने के मुख्यमंत्री कार्यकाल में जो मैंने कार्य किया, वह राज्य और जनता के हित में ही किया गया था| जिसे आप सभी ने देखा, सुना व समझा और सराहा भी है|

20.3. मैं अरुणाचल और देश की जनता को खासकर युवा पीढ़ी को धन्यवाद देता हूं की Social Media- (Facebook-Whatsapp-Twitter) पर 17 लाख से भी ज्यादा लोगों ने हमारी सरकार के काम, नीतिओं, योजनओं और फैसलों को समर्थन दिया और सराहा है|

20.4. इन बातों को बताने में मेरा कोई स्वार्थ नहीं है, ना ही मुझे किसी से कोई भय है, ना मैं कमजोर हूं और ना मैं इसको अपना समर्पण मानता हूं|

20.5. इन बातों को कहने से मेरा इरादा-जनता को जगाना है, उन्हें सरकार, समाज, राज्य और देश में हो रहे इन गंदे नाटकों, लूटपात और भ्रष्ट तंत्र के सच के बारे में बताना है|लेकिन लोगों की याददाश्त बहुत कमज़ोर है, वह कोई भी बात को जल्द ही भूल जाते है| इसलिए इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए, मैं जनता को याद दिलाने, जगाने, विश्वास दिखाने, समझाने और विचार करने के लिए यह कदम उठाया है|

20.6. मैंने अपनी छोटी सी ज़िन्दगी में सबकुछ सहा है, देखा है, अनुभव किया है, बहुत सा संघर्ष किया और कई बार औरों की ख़ुशी व समाज के हित के लिए बलिदान भी दिये है| लेकिन मैं कभी हारा नहीं और ना ही मैंने कभी हार मानी है|

Kalikho Pul.

20.7. मैंने हमेशा ही राज्य और जनता के हित में फैसला लिया है, मैंने अपना सुख-चैन, समय-स्वास्थ्य, धन-दौलत, नींद-आराम, घर-परिवार और अपने आपको त्यागकर जनता को समर्पित किया है| मैंने अपनी हर सांस, हर लम्हा, हर वक्त और सब कुछ जनता के हितों के लिए त्यागा है| मेरे इस संदेश, त्याग और बलिदान को अगर 0.1% भी अहसास कर, विचारकर और समझकर कुछ भी सुधारते है- अपने कर्म और सोच-विचार में, लूट-लालच को, मांगने-छीनने को, लड़ने-झगड़ने को, छोड़कर समाज, राज्य और देश के हित में थोडा समय दे और कुछ अच्छा काम करे|मैं चाहता हूं की मेरे दिल की यह बात, सोच-विचार, अनुभव और संदेश ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे, ताकि मैं आपको समझा सकूं, जगा सकूं और सच्चाई की लड़ाई में आपको हिम्मत और ताकत दे सकूं|

8/8/16

कालीखो पुल